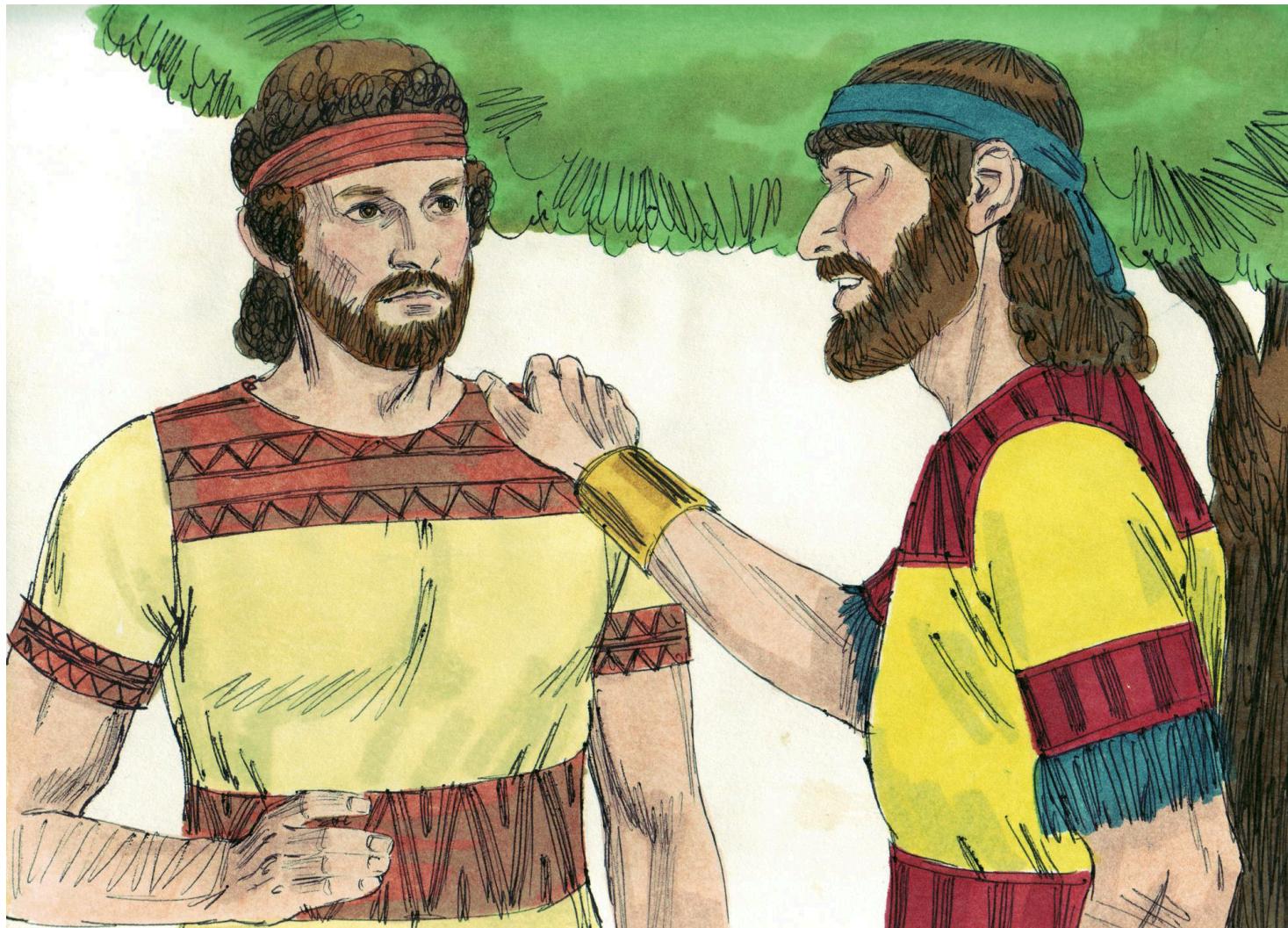


दाऊद औज़ि योनातान री दोस्ती



दाऊद औज़ि योनातान री दोस्ती

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

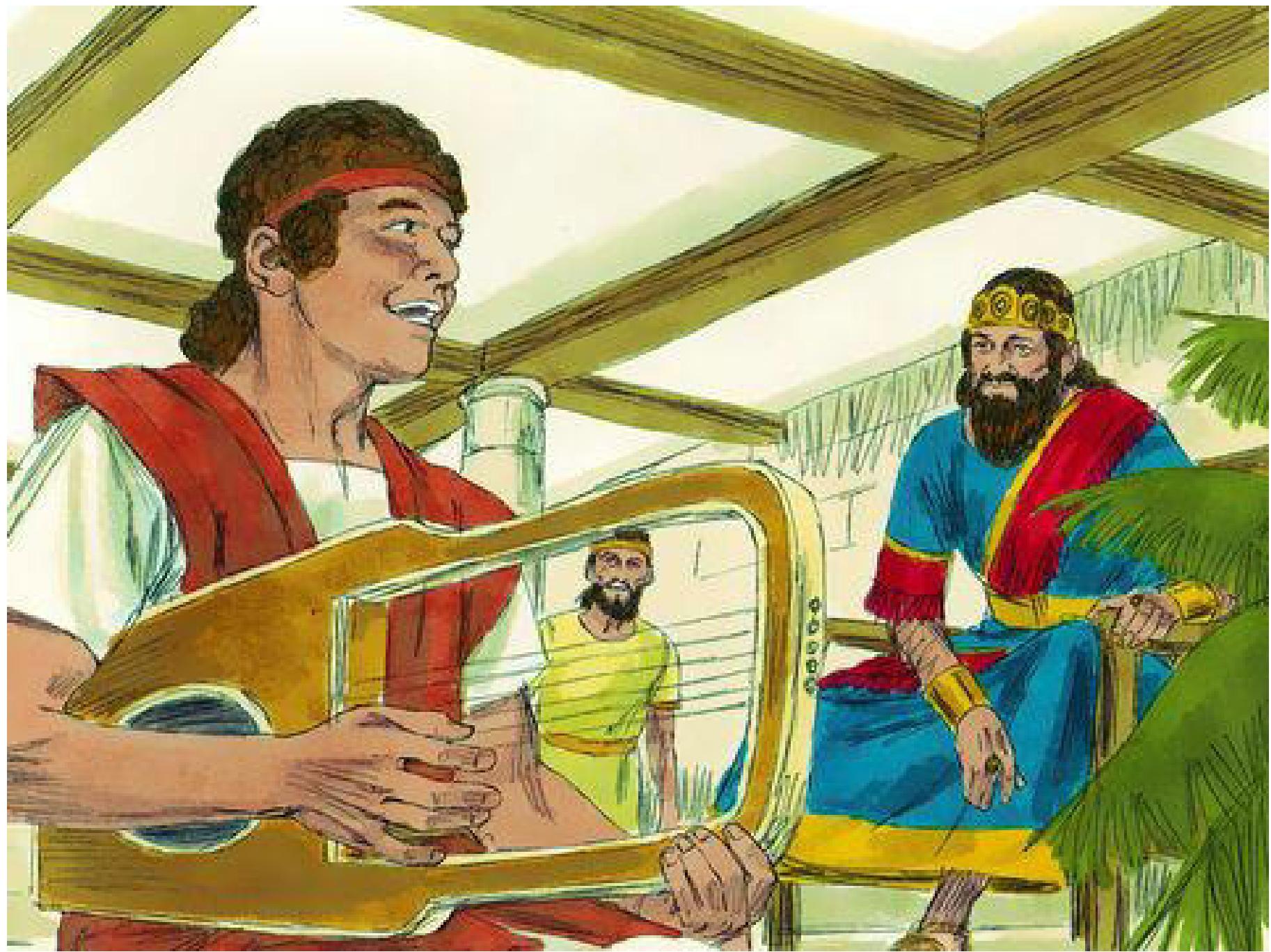
Big Book in Bangani language
Orange Level Book

प्रकाशण:-

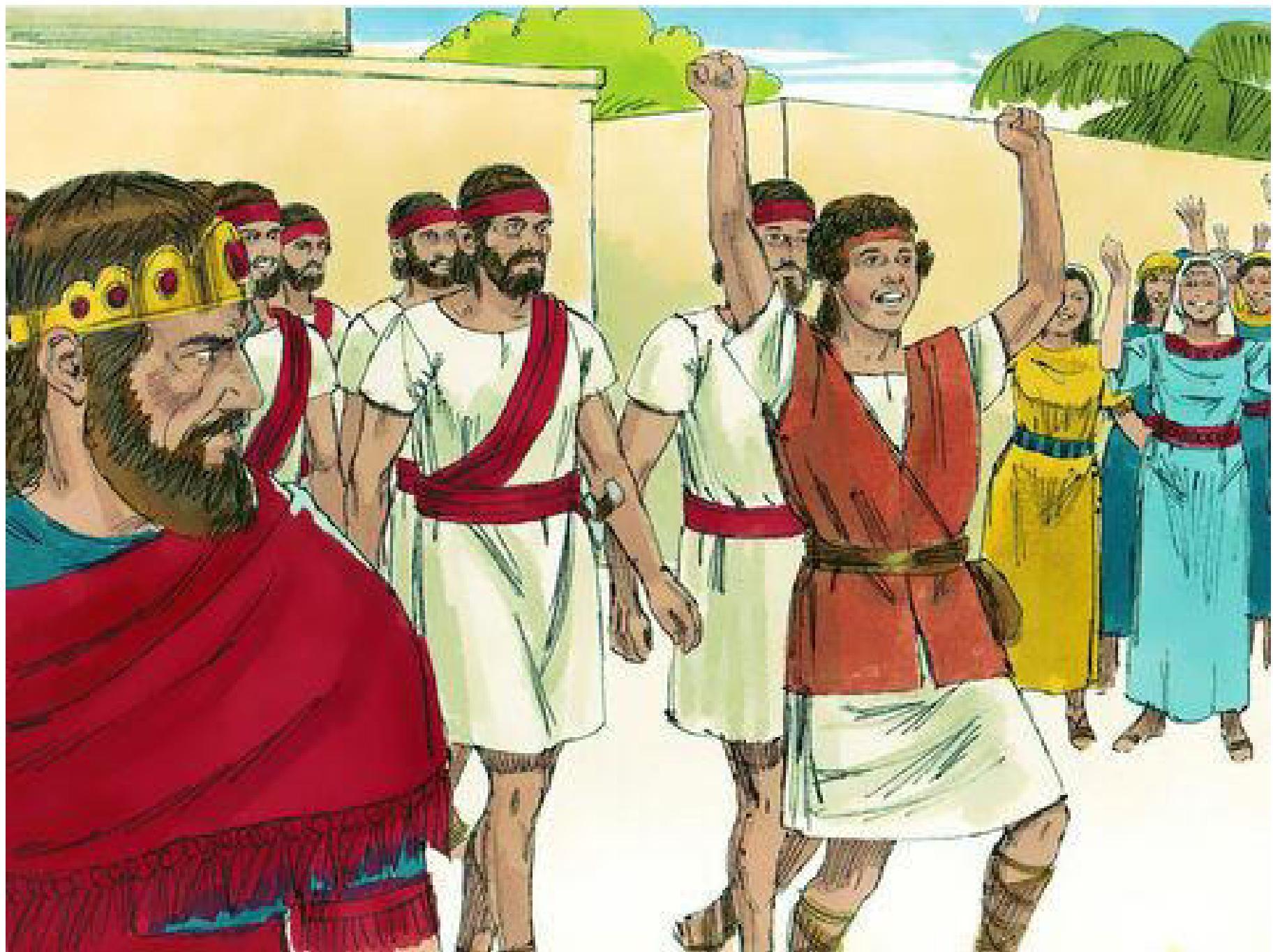
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दाऊद और योनातान की दोस्ती के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



दाऊदेइ ज़ौ गोलियत ज़ांगौ, तै तेस ज़ांगियौ ज़ौ सेउ
वापस शाऊल काई आअ। तैबै शाऊल रौ बेटा
योनातान कै सेउ बौड़िया लागौ। तिणी सेउ आपड़ौ
बौड़िया दोस्त चाणौ औज़ि सेउ तेसकौइ प्यार
कौरदै लागौ।



योनातान रौ सेउ एत्ती बौड़िया दोस्त बौणौ कि
तिणी तेसके खी आपड़ी तौलवार औज़ि दौणूश
देणौ। दाऊद शाऊल काई रौयै थौ औज़ि शाऊल
तेस ज़ेत्कै बी छाड़ै थौ सेउ तेत्कै औकली कौइ
काम कौरै थौ। औज़ि सारी पौरज़ा रै लोग औज़ि
कौरमच्चारी तेसकौइ खुश रौयै थै।



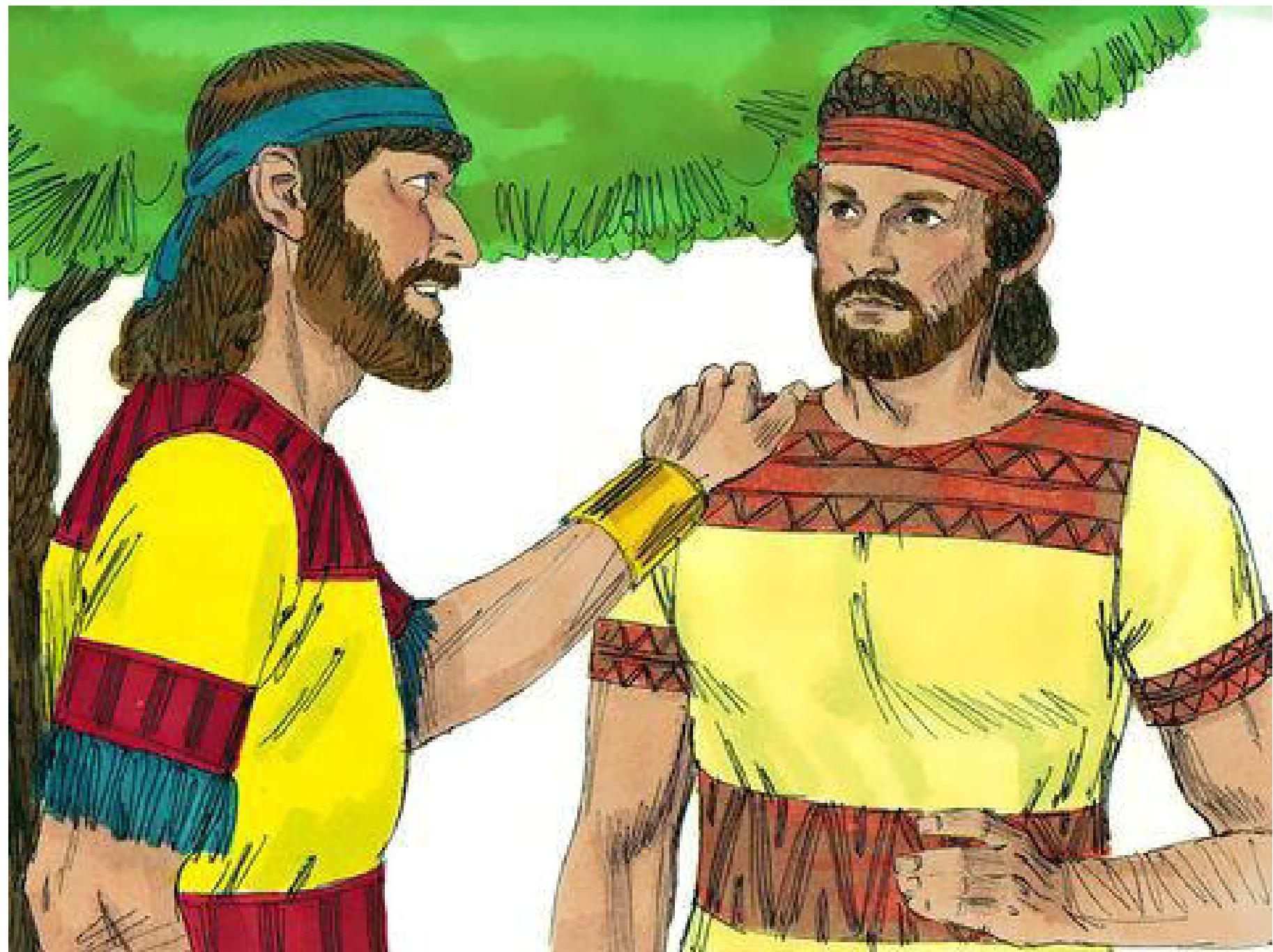
ਪੌਰਜ਼ਾ ਰੈ ਲੋਗ ਦਾਤਦ ਰੀ ਤਾਰੀਫ ਕੌਰੈਣ ਥੈ, ਪਰ ਏਜ਼ੀ
ਬੁਝੈ ਸ਼ਾਊਲ ਕੈ ਬੁਰੀ ਲਾਗੀ। ਏਜ਼ੀ ਬੌਜੈ ਕੌਡ
ਸ਼ਾਊਲੇਡ ਤੇਸਖੀ ਰੋਸ਼ ਲਾਗੈ। ਤੈਬੈ ਸੇਤ ਦਾਤਦੇਡ
ਜਾਂਗਣੈ ਰੈ ਬਾਰੇਦੀ ਸੁੱਚਦੈ ਲਾਗੈ। ਤੈਬੈ ਸ਼ਾਊਲੇਡ ਆਪੜੈ
ਕੇਟਾ ਧੋਨਾਤਾਨ ਔਜ਼ਿ ਆਪੜੈ ਸਾਰੈ ਕੌਰਮਚਾਰਿੰਕੁੰ
ਆਰੀ ਦਾਤਦ ਜਾਂਗਣੇ ਖੀ ਬੋਲੈ।



योनातान दाऊद रौ दोस्त थौ एज़ी बौज़ै कौइ
योनातानेइ दाऊद आरी बोलौ, कि मेरौ पापा ताऊँ
ज़ांगणौ चाए एज़ी बौज़ै कौइ तू केथिकै बौड़िया
ज़ागा दी डेईयौ चोरुइ रौऊ। आऊँ आपड़ौ पापा
आरी तेरै बारे दी बात कौरु लै, तैबै योनातानेइ
डेइयौ शाऊल आरी बोलौ, दाऊदेइ कोई बी अप्राद
ना कियौ, तिणी तै पलिशितन ज़ांगियौ ताऊँकै
ज़ीत देआई।



आौजि तू तेसकौइ खुश उवौ थौ तै ऐबै तू तेस
केलाई जांगणै चाए। तैबै शाऊलोइ दाऊद पोरु
छोड़ौ, तैबै सेउ आौजिपै तेसरै साथै रौन्दै लागौ, पर
एक बैरै शाऊल आौजिपै दाऊदेइ जांगणै चाँए थौ पर
दाऊद तेसकौइ बौचियौ पोरु बागौ। तैबै दाऊद
डेइयौ योनातान कौइ मिलौ, आौजि तेसारी बोलौ
कि तेरौ पापा मू केलाई जांगणै चाए मुईं का
अप्राद कियौ।



तैबै योनातानेइ दाऊद आरी बोलौ, ताऊँ ना जांगै
लौ, केलाकि मेरौ पापा मुआरी ना बोलियौ कोई बी
बौड़ौ काम आैजि ना कोई छोटौ काम कौरदौ तैबै
दाऊदेइ योनातान आरी बोलौ, कि तेरौ पापा कै
पौतौ कि तेरी दया मुँदी एज़ी बौजै कौइ ऐ बुशै
ताऊँकौइ चोरियौन्दि तैबै योनातानेइ दाऊद
आरी बोलौ कि जेशौ तू बोलै लौ तेशौ आऊँ
ताऊँखी कौरु ।



तैबै दाऊदेइ बोलौ, कि आऊँ चोरुइ रौऊ अगर तेरौ
पापा मेरै बारै दी पुछै लौ तै एशौ बोलै कि मुईं
तेसकै छुट्टी देणियौन्दि। अगर राज़ा कै एशौ
शुणियौ रोश ना लागै लौ तै ठीकै, जौ तेस रोश लागै
लौ तै एशौ सुँचै कि तिणी मूर्खी ज़ांगणिखी सुँचौन्दौ,
तैबै सै एक दुजै कौइ विदा उवै।



दुजै दुसै शाऊल राज्ञाइ योनातान कौइ पुछौ कि
दाऊद केटकै, तैबै योनातानेइ बोलौ कि दाऊद
मुँकौइ छुट्टी मांगियौ आपड़े गौरै बैतलम खी
डैओन्दौ तैबै शाऊल योनातान खी रोशुवौ ओज़ि
तेस ज़ाँगणेखी बौरछौ फिरकाअ पर योनातान
पोरु बौज्हौ । तैबै तेतकौइ डेइयौ सेउ दाऊद कौइ
मिल्दै डैअ ।



तैबै योनातान दाऊद कौइ मिलौ, तै सै दुईया ज़ौणै
बौरी लेरै पर दाऊद ज़ादे लेरौ, तैबै योनातानेइ
दाऊद आरी बोलौ। तू बौड़िया कौइ पोरु डेऊ आमु
दुइयाऊँ परमेश्वर रै सामणै दोस्ती री कसम
खाइयौन्दि परमेश्वर तेरै औज़ि मेरै औज़ि आमारै
वंश रै बीचे दी हमेशाइ रौए लौ, तैबै दाऊद तेतकौइ
पोरु डैअ औज़ि योनातान बी आपड़ै शेर खी डैअ।



ਸ਼ਾਊਲ ਦਾਊਦੇਇ ਕੌਰੀ ਕੈਰੈ ਜਾਂਗਣੈ ਚਾਅ, ਪਰ ਦਾਊਦੇਇ
ਕੇਤ੍ਰਾਇ ਬੀ ਸ਼ਾਊਲੇਇ ਜਾਂਗਣੇ ਖੀ ਨਾ ਸੂਚੈ। ਤੇਤਬਾਸਿਧੈ
ਦਾਊਦ ਅਲਗ – ਅਲਗ ਜਾਗਾ ਦੀ ਰੈਨਦੈ ਲਾਗੈ। ਜੋ
ਸੇਤ ਸਿਕਲਗ ਦੀ ਰੈਧੈ ਥੈ ਤੈਬੈ ਪਲਿਸ਼ਿਤਨ ਲੋਗੁ
ਇਸ਼ਾਏਲ ਰੈ ਸਾਥੈ ਲੜਾਈ ਕੀ। ਤੈ ਸ਼ਾਊਲ ਔਜ਼ਿ
ਤੇਸਰੈ ਬੇਟਾ ਧੋਨਾਤਾਨ ਔਜ਼ਿ ਦੂਜੈ ਬੇਟਾ ਬੀ ਲੜਾਈ ਦੀ
ਪੋਰੁ ਸੈਰੈ।



एज़ी बुशै एक दासेइ दाऊद आरी बोली, जेशौइ
दाऊदेइ एज़ी बुशै शुणी तिणी आपडै जुड़के चिरै
औज़ि बौरी दुखी उवौ, तिणी बियाळके ज़ौऊँ कुछु
बी ना खाओ, सेउ योनातान खी बौरी दुखी उवौ,
केलाकि सेउ योनातान कौइ बौरी प्यार कौरै थौ,
औज़ि सेउ तेसरौ बौडिया दोस्त थौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.